# रक्त कल्याण

**1**

हे माही रे हे माही रे
दूर दराज़ से कोई न आता दीखता है छुक छुक
व्याकुल्ता बढती है पल पल बीतता है छुक छुक
हे माही रे हे माही रे

कैसा रे हाए भरोसा पाया
ना तो कोई संदेसा आया
झूठी मितायी करने वाले
दौड़ गले से मिलने वाले
काम समय पर कोई न आया
ऐसी ही है जग की माया
दूर दराज से कोई न आता दीखता है छुक छुक
व्याकुल्ता बढती है पल पल बीतता है छुक छुक
हे माही रे हे माही रे

मा की ममता को ठुकराया
ममता का आंचल भर आया
राज पिता का हरने वाले
हो न सकेंगे अपने प्यारे
दाता रे कैसा बेटा पाया
अपना होकर लागे पराया
दूर दराज से कोई न आता दीखता है छुक छुक
व्याकुल्ता बढती है पल पल बीतता है छुक छुक
हे माही रे हे माही रे

**2**

आआऽऽऽ
हम तो शिव की शरण जाते
चरणो में सर हम झुकाते
आआऽऽऽ

सर्वज्ञानी सर्वज्ञाता प्राणियों के तुम विधाता
हम तो तेरी जय जय गाते
चरणो में सर हम झुकाते
आआऽऽऽ

कार्तिकेय पितृ नारी ईश्वर सृष्टिभंजक सृष्टिकर्ता
मन के दःुख तुम हर जाते
चरणों में सर हम झुकाते
आआऽऽऽ

## बड़ी बुआजी

**1**

नाटक की चल रही थी अपने ज़ोरों पर तैयारियॉं
बीच में आ टपकी कहीं से अनू की बड़ी बुआ
ब ब ब बड़ी बुआजी अनू की बड़ी बुआ
अनू सुना...
बुआजी...
श्‌श्‌श्‌...

ओ बड़ी बुआ... हाए रे इतना रौब तेरा
हॉं मार डालेगा हाए रे इतना रौब तेरा

जो भी हो चाहे टिक नहीं पाए
गुस्सा है तेरा या है तूफां
ओ बड़ी बुआ
तौबा तौबा हॉं मेरी तौबा
ओ बड़ी बुआ

जब भी तू आयी ऑंधी लायी
रानी झॉंसी की तू सवायी
ओ बड़ी बुआ
हम को तो फ़ूलन याद आयी
ओ बड़ी बुआ

## 2

नाटक तुमको दिखलाते हैं ये नाटक अनमोल
रिश्तों की खींचातानी में तोल मोल के बोल
रे भैया तोल मोल के बोल

लगा है कोई जोड़ तोड़ में
कोई है परेशान रे भैया कोई है परेशान
नाना प्रसंग भरे हैं इसमें
रस की है फुहार रे भैया रस की है फुहार
देखो देखो नाटक अपना बड़ी बुआजी नाम
रे भैया बड़ी बुआजी नाम

जोड़ तोड़ के मोड़ मोड में नया मोड़ आता है
जोड़ तोड़ के मोड़ मोड में सर पर चढे तनाव
रे भैया सर पर चढे तनाव
कालचक्र घूमा जाता है टिक् टिक् टिक् हाय राम
रे भैया टिक् टिक् हाय राम
काम बहुत है समय तनिक है थाम लो अब लगाम
रे भैया थाम लो अब लगाम
देखो देखो नाटक अपना बड़ी बुआजी नाम
रे भैया बड़ी बुआजी नाम

मध्यांतर है दस मिनट का तब तक करो आराम
रे भैया तब तक करो आराम
आगे क्या होता है देखो सीट को लेना थाम
रे भैया सीट को लेना थाम
रे भैया सीट को लेना थाम

**3**

धाक धिना धिन ना ना तिन धा धा
भाभी तेरे मन में क्या है बता जा

ना तिट तिन तिन ना ना तिट धिन धिन
नींद नहीं आयेगी तेरे बताए बिन

अब तो बता जा तरसा ना बता जा
धाक धिना धिन धिना धिन धिना धिन धिना धिन

बुआजी मानेंगी कैसे बेड़ा पार लगेगा कैसे
धिनक धिनक धिन धिन धिन धा धा
धिनक धिनक धिन धिन धिन धा धा

शम्भू तो है डूबा जाता समझ में उसके कुछ नहीं आता
धिनक धिनक धिन धिन धिन धा धा
धिनक धिनक धिन धिन धिन धा धा

धागे ना तिनक धा धा
धागे ना तिनक धा धा
कैसे सुलझे ये घोटाला समझ में किसी के कुछ नहीं आता
समझ में किसी के कुछ नहीं आता कैसे सुलझे ये घोटाला

## अमीबा

**1**

पंख उठाए थे उड़ने को
आकर ऐसा बाण लगा
रही तड़पती ज़मीं पे चिड़िया
कैसा हा आघात मेरे पंछी
कौन दिसा तू उड़ा

**2**

आये चुन्नू मुन्नू घर में ढोलक बजी
आये चुन्नू मुन्नू घर में ढोलक बजी
ढोलक बजी हो रामा ढोलक बजी
आये चुन्नू मुन्नू घर में ढोलक बजी
आये चुन्नू मुन्नू घर में ढोलक बजी

## एक और द्रोणाचार्य

बेगाने ऐसे ही  आते हैं
ना जाने कैसे जाते हैं
जैसे चलते को भी अन्जाने रास्ता दिखलाते हैं
बेगाने ऐसे ही  आते हैं
ना जाने कैसे जाते हैं
जैसे अभिमानी को मस्ताने दर्पण दिखलाते हैं
बेगाने ऐसे ही  आते हैं
ना जाने कैसे जाते हैं

## अग्नि और बरखा

धरती का दिल चीरके भेदके सीने मेघ के
कब बरसेगा नीर रे धरती का दिल ......
सूनी आँखें दुर्बल तन बाट जोहते सारे जन
एक दिवस बस आये ऐसा  नीर मिले झूमे तन मन
धरती का दिल चीरके भेदके......
कृपा करो ओ दयानिधान हम सब का कुछ रखो मान
करते यज्ञ  करते पूजन हम तुम ही हो बस अपने हमदम
धरती का दिल चीरके भेदके......
धधकी है अपनी धरती ये पडती है  क्रोधित गर्मी ये
दम्भी भानु को नील के गरम हवा को कीलके
अब बरसो नीर रे अब बरसो नीर रे  अब बरसो ...

# जुलूस

प्रेम मुदित मन से कहो राम राम राम
प्रेम मुदित मन से कहो राम राम राम
..................

लौटके आओ अपने घर में
गली गली तुम व्यंर्थ भटकते
रोते रहते हैं सब घर में
लौटके आओ लौटके आओ
..................

हम एक हैं. हम एक हैं हम एक हैं
एक है अपनी जमीं एक है अपना जहॉ
एक है अपना चमन एक है अपना वतन
अपने सभी सुख एक हैं. अपने सभी दुख एक हैं
आवाज दो हम एक हैं आवाज दो हम एक हैं. हम एक हैं
..................

अन्त शीघ्र ही होगा देखो तिमिर घोर अन्धियारा
आज नहीं तो कल आयेगा सुखद विहान हमारा
छिपा गर्भ में धरती के भन्डार विपुल निधियों का
आज नहीं तो कल होगा सब सुख साज हमारा
अन्त शीघ्र ही होगा देखो तिमिर घोर अन्धियारा